इकाई — Unit - I
Subjective Test, Characteristics, Standardized and Non-standardized Test
उपइकाई Nature of information gathered

महर्षि दयानन्द वि० एवं० कॉलेज श्रीगंगानगर
सत्र → 2020 - 27

कक्षा → B.Ed. 2nd year D

व्याख्याता → Dr. Ranchan
कुल कालांश → 14

मुख्य उद्देश्य

1. प्रशिक्षणार्थियों को व्यक्तिनिष्ठ परीक्षण के गुण और दोषों से परिचित करवाना।
2. प्रशिक्षणार्थियों को एक अच्छे परीक्षण की विशेषताओं की जानकारी करवाना।
3. प्रशिक्षणार्थियों को प्रमापीकृत परीक्षण और अप्रमापीकृत परीक्षण के अवगत करवाना।
4. प्रशिक्षणार्थियों को सूचना संग्रहण की प्रकृति समझाना।

अधिगम प्राप्ति

1. प्रशिक्षणार्थी व्यक्तिनिष्ठ परीक्षण के गुण और दोषों से परिचित हो सकेंगे।
2. प्रशिक्षणार्थी एक अच्छे परीक्षण की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. प्रशिक्षणार्थी प्रमापीकृत और अप्रमापीकृत परीक्षण से अवगत हो सकेंगे।
4. प्रशिक्षणार्थी सूचना संग्रहण की प्रकृति को समझ सकेंगे।

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं व्यवहारगत परिवर्तन	शिक्षण अधिगम परिस्थितियां व्याख्याता क्रिया	प्रशिक्षणार्थी क्रिया	मूल्यांकन कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
Subjective Type Test Test	ज्ञान - 1. प्रशिक्षणार्थी व्यक्तिनिष्ठ परीक्षण का अर्थ प्रत्यास्मरण कर सकेंगे 2. प्रशिक्षणार्थी सूचना संग्रहण की प्रकृति का प्रत्यभिज्ञान कर सकेंगे।	प्रकरण से संबन्धित पूर्व ज्ञान का स्मरण करवाना। सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देना।	प्रशिक्षणार्थी ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	प्रकरण से संबन्धित विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों का मौखिक परीक्षण लेना।	परीक्षोपयोगी प्रकरण से संबन्धित विभिन्न प्रश्नों का हल करने को देना।	श्यामपट्ट, व्याख्यान सामग्री।

Scanned with CamScanner

शिक्षण बिन्दु	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ		मूल्यांकन		सहायक सामग्री
		व्याख्यात्मा क्रिया	पृशिक्षणार्थी क्रिया	कक्षा कार्य	गृह कार्य	
Standardized and Non Standardized Test	अवबोध :- पृशिक्षणार्थी प्रमापीकृत परीक्षण और अप्रमापीकृत परीक्षण में विभेद कर सकेंगे। ज्ञानोपयोग :- पृशिक्षणार्थी एक अच्छे परीक्षण की विशेषताओं की जानकारी या उपयोग अपने व्यवहारिक जीवन में कर सकेंगे। अभिरुचि :- पृशिक्षणार्थी सूचनासंग्रहण की प्रकृति प्रकरण की विस्तृतजानकारी हेतु सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन में रुचि उत्पन्न कर सकेंगे। अभिवृत्ति :- पृशिक्षणार्थी व्यक्तिनिष्ठ परीक्षण के	माध्यम के उदाहरणों एवं प्रक्रियाओं द्वारा मुख्य बिन्दुओं को स्पष्ट किया जायेगा।	पृशिक्षणार्थी मुख्य बिन्दुओं को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा उत्तरपुस्तिका पर चिन्हांकन करेंगे।	माध्यम से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर पृशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखेगी और उनके अर्जित ज्ञान की परख करेगी।	विभिन्न प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्नों के नियमानुसार उत्तर करने हेतु घर दिये जायेंगे।	प्रमापीकृत एवं अप्रमापीकृत परीक्षण को समझाने हेतु उदाहरण।

Scanned with CamScanner

दिनांक → 16-10-2026 To 31-10-26 Unit Plan Language Across the Curriculum

इकाई → Unit-2 Bilingualism Scholastic Achievement: Edu. Advantages and Challenges of Mul	महर्षि दयानन्द वि० एवं बी० कॉलेज श्रीगंगानगर	कक्षा → B.Ed. 1st Semester	व्याख्याता → Dr. Ramchandra
पाइकाई → Use of learner's home langu., Promoting Multi.	सत्र → 2026-27	B	कुल कालांश → 14

मुख्य उद्देश्य

1. प्रशिक्षणार्थियों को द्विभाषिकता की अवधारणा से अवगत करवाना।
2. प्रशिक्षणार्थियों को द्विभाषिकता और शैक्षिक उपलब्धि से अवगत करवाना।
3. बहुभाषावाद की चुनौतियां और लाभ की जानकारी करवाना।
4. बहुभाषावाद के विकास की जानकारी रुचि उत्पन्न करवाना।

अधिगम प्राप्ति

1. प्रशिक्षणार्थी द्विभाषिकता की अवधारणा से अवगत हो सकेंगे।
2. प्रशिक्षणार्थी द्विभाषिकता और शैक्षिक उपलब्धि से अवगत हो सकेंगे।
3. बहुभाषावाद के लाभ और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. बहुभाषावाद के विकास की जानकारी रुचि उत्पन्न कर सकेंगे।

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं व्यवहारगत परिवर्तन	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ: व्याख्याता क्रिया	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ: प्रशिक्षणार्थी क्रिया	मूल्यांकन: कक्षा कार्य	मूल्यांकन: गृह कार्य	सहायक सामग्री
Bilingualism Scholastic Achievement	ज्ञान:- 1. प्रशिक्षणार्थी द्विभाषिकता की अवधारणा और अर्थ का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे। 2. प्रशिक्षणार्थी बहुभाषावाद के लाभ का प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।	व्याख्यात्मक प्रकरण में सम्बन्धित पूर्व ज्ञान का प्रयोग सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान करेंगे।	प्रशिक्षणार्थी ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन करेंगे।	प्रकरण नियमानुसार विभिन्न प्रश्न परख प्रश्नों के सम्बन्धित प्रकरण को याद करने को देना।	कक्षा शिक्षण सामग्री। श्वेत श्याम उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

शिक्षण बिन्दु	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ		मूल्यांकन		सहायक सामग्री
		व्याख्याता क्रिया	पृशिक्षणार्थी क्रिया	कक्षा कार्य	गृह कार्य	
Advantages and Challenges of Multi. वंशवाद का विकास —	अवबोध :- पृशिक्षणार्थी बहुभाषावाद और द्विभाषावाद में विभेद कर सकेंगे। ज्ञानोपयोग :- पृशिक्षणार्थी बहुभाषावाद और शैक्षिक उपलब्धि प्रकरण के अध्ययन से प्राप्त ज्ञान और अवबोध का उपयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे। अभिरुचि :- पृशिक्षणार्थी बहुभाषिकता के सामने चुनौतियां प्रकरण की विस्तृत जानकारी हेतु सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन में रुचि उत्पन्न कर सकेंगी। अभिवृत्ति :- पृशिक्षणार्थी बहुभाषिकता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।	व्याख्याता विभिन्न क्रियाओं एवं उदाहरणों के माध्यम से पृशिक्षणार्थियों में संबन्धित दक्षताओं का विकास करेंगी। व्याख्याता पृशिक्षणार्थियों को ब्लैकबोर्ड पर लिखेंगी।	पृशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सूचनाओं तथा बिन्दुओं को ब्लैकबोर्ड से अपनी नोटबुक में लिखेंगे। पृशिक्षणार्थी व्याख्याता द्वारा दिये गये निर्देशों का मनन करते हुए लिखेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्नों के माध्यम से पृशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखेंगी और उनके ज्ञान स्तर की परख करेंगी। स्मृति :-	परीक्षानियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्नों के उत्तर लिखने हेतु कहा जाएगा।	के सा शिक्षण - अधिगम प्रक्रियाओं को प्रभावी बनाने हेतु उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

UNIT- II Assessment for Learning DATE:- 16 Oct-26 to 31 Oct. 2026	CLASS B.ED. II YEAR III Semester	NAME OF COLLAGE M.D.B.ED. COLLEGE	NAME OF LECTURER Dr. Richa Dhoan. कुल कालॉशः-

मुख्य उद्देश्यः-

- प्रशिक्षणार्थियों को Steps of Test, Subjective and Objective test से अवगत करवाना।
- प्रशिक्षणार्थियों को अच्छे परीक्षण की विशेषताओं, और प्रमापीकृत व अध्यापक निर्मित परीक्षण से परिचित करना।

अधिगम प्राप्तिः-

- प्रशिक्षणार्थी परीक्षण के सोपान, Subjective and Objective Test का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- प्रशिक्षणार्थी प्रमापीकृत परीक्षण और अध्यापक निर्मित परीक्षण को समझ सकेंगे।
- प्रशिक्षणार्थी अच्छे परीक्षण की विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई-II उपइकाई- Steps of Test, Subjective and Objective Test, Characteristics of a good Test, Standardized and Teacher made Test

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन-अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
→ Steps of Test - Subjective and Objective Test	ज्ञान- प्रशिक्षणार्थी परीक्षण के सोपान, परीक्षण की विशेषतायें और प्रमापीकृत और अध्यापक निर्मित परीक्षण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बंधित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेगें।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियो को सक्रिय रखना।	परीक्षानियमानुसार प्रकरण से सम्बंधित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

UNIT- IV Assessment for Learning DATE:- 16 Oct-26 to 31 Oct. 2026	CLASS B.ED. II YEAR III Semester	NAME OF COLLAGE M.D.B.ED. COLLEGE	NAME OF LECTURER Dr. Richa Dhoan. कुल कालॉश:-

मुख्य उद्देश्य:-

- प्रशिक्षणार्थियों को Steps of Test, Subjective and Objective test से अवगत करवाना।
- प्रशिक्षणार्थियों को अच्छे परीक्षण की विशेषताओं, और प्रमापीकृत व अध्यापक निर्मित परीक्षण से परिचित करना।

अधिगम प्राप्ति:-

- प्रशिक्षणार्थी परीक्षण के सोपान, Subjective and Objective Test का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- प्रशिक्षणार्थी प्रमापीकृत परीक्षण और अध्यापक निर्मित परीक्षण को समझ सकेंगे।
- प्रशिक्षणार्थी अच्छे परीक्षण की विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई-II उपइकाई- Steps of Test, Subjective and Objective Test, Characteristics of a good Test, Standardized and Teacher made Test

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन-अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
→ Steps of Test - Subjective and Objective Test	ज्ञान:- प्रशिक्षणार्थी परीक्षण के सोपान, परीक्षण की विशेषतायें और प्रमापीकृत और अध्यापक निर्मित परीक्षण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बंधित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेगें।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियो को सक्रिय रखना।	परीक्षानियमों अनुसार प्रकरण से सम्बंधित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
- Characteristics of a good Test - Standardized Test - Teacher made Test - Conclusion	अवबोध :- प्रशिक्षणार्थी प्रमापीकृत परीक्षण और अध्यापक निर्मित परीक्षण में अन्तर कर सकेंगे। ज्ञानोपयोग :- प्रशिक्षणार्थी प्रकरण से सम्बन्धित ज्ञान का उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में कर सकेंगे। कौशल :- प्रशिक्षणार्थी परीक्षण निर्माण में कौशल विकसित कर सकेंगे। अभिरुचि :- प्रशिक्षणार्थी परीक्षण निर्माण के सोपान के प्रति रुचि ले सकेंगे। अभिवृत्ति :- प्रशिक्षणार्थी प्रकरण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।	व्याख्यान विभिन्न क्रियाओं एवं उदाहरणों के माध्यम से प्रकरण से सम्बन्धित व्याख्यान देगा तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेगी	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट से अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	कक्षा में प्रशिक्षणार्थियों के समक्ष प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछकर मूल्यांकन करेगा।	परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सहायक सामग्री।

Scanned with CamScanner

Date – 16/10/2026 to 31/10/2026 Childhood and Growing up

Unit – II(B) Theories and Measurement of Intelligence. Role of Intelligence in learning (C) Creativity – Meaning, Nature, characteristics, process, Measurement and Role of teacher III (A) Meaning and Nature of Adjustment.

Name of College – Maharshi Dayanand B.Ed. College, Sri Ganganagar

Class – B.Ed. I YEAR [I Semester] Lecturer's Name – JYOTI NAGPAL

Session – 2026-27 Total Period –

शिक्षण उद्देश्य

1. प्रशिक्षणार्थियों को बुद्धि के सिद्धान्तों एवं मापन प्रक्रिया से अवगत करवाना।
2. प्रशिक्षणार्थियों को सृजनात्मकता के अर्थ, प्रकृति, विशेषताओं एवं मापन का ज्ञान करवाना।
3. प्रशिक्षणार्थियों को समायोजन के अर्थ एवं प्रकृति की जानकारी देना।

अधिगम प्राप्ति

1. प्रशिक्षणार्थी बुद्धि के सिद्धान्तों एवं मापन प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।
2. प्रशिक्षणार्थी सृजनात्मकता के अर्थ, प्रकृति, विशेषताओं एवं मापन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. प्रशिक्षणार्थी समायोजन के अर्थ एवं प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

अधिगम बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन – अध्यापन परिस्थितियाँ		मूल्यांकन		सहायक सामग्री
		व्याख्याता क्रिया	प्रशिक्षणार्थी क्रिया	कक्षा कार्य	गृह कार्य	
Theories and Measurement of Intelligence	1. ज्ञान – प्रशिक्षणार्थी बुद्धि, सृजनात्मकता एवं समायोजन की अवधारणा का प्रत्यास्मरण एवं प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बन्धित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखना।	परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सहायक सामग्री

Scanned with CamScanner

Role of Intelligence in learning

Meaning, Nature, Characteristics, Process and Measurement of Creativity

Meaning and Nature of Adjustment.

2. अवबोध – प्रशिक्षणार्थी बुद्धि, सृजनात्मकता एवं समायोजन की प्रकृति को जान सकेंगे।

3. ज्ञानोपयोग – प्रशिक्षणार्थी अपने विद्यार्थियों की बुद्धि विकास एवं सृजनात्मकता के विकास हेतु प्रयास कर सकेंगे।

4. कौशल – प्रशिक्षणार्थी कक्षा-कक्ष में अपने विद्यार्थियों को समायोजित करने में कुशल हो सकेंगे।

5. अभिरुचि – प्रशिक्षणार्थी बुद्धि मापन एवं सृजनात्मकता मापन के बारे में जानने में रुचि ले सकेंगे।

6. अभिवृत्ति – प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थियों में सृजनात्मकता विकास हेतु प्रयास कर सकेंगे।

[illegible] के प्रकारों [illegible]

[illegible] को श्यामपट्ट पर लिखेंगी।

प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सूत्रों तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट में अपनी अनुपुस्तिका में लिखेंगे।

व्याख्याता प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न पूछकर ज्ञान की प्रशिक्षणार्थियों से समीक्षा करेगी।

परीक्षा निष्पादनुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न का करने के लिए देना।

कक्षा शिक्षण उपयोगी सहायक सामग्री

Scanned with CamScanner

Date – 16/10/2026 से 31/10/2026 तक

हिन्दी शिक्षण

Unit – II (3) गद्य शिक्षण
काव्य शिक्षण
कहानी शिक्षण
निबंध शिक्षण
व्याकरण शिक्षण

Name of College – Maharshi Dayanand B.Ed. College, Sri Ganganagar.

Class – बी० एड० द्वितीय वर्ष (III सेमेस्टर)

Lecturer's Name – JYOTI NAGPAL

Session – 2026-27

Total Period –

शिक्षण उद्देश्य

1. प्रशिक्षणार्थियों को गद्य, पद्य, कहानी, निबन्ध एवं व्याकरण शिक्षण के उद्देश्यों का ज्ञान करवाना।
2. प्रशिक्षणार्थियों को गद्य, काव्य, कहानी, निबन्ध एवं व्याकरण शिक्षण की विधियों एवं सोपानों से परिचित करवाना।

अधिगम प्राप्ति

1. प्रशिक्षणार्थी गद्य, पद्य, कहानी, निबन्ध एवं व्याकरण शिक्षण के उद्देश्यों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. प्रशिक्षणार्थी गद्य, काव्य, कहानी, निबन्ध एवं व्याकरण शिक्षण की विधियों एवं सोपानों से परिचित हो सकेंगे।

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन – अध्यापन परिस्थितियाँ		मूल्यांकन		सहायक सामग्री
		व्याख्याता क्रिया	प्रशिक्षणार्थी क्रिया	कक्षा कार्य	गृह कार्य	
गद्य शिक्षण काव्य शिक्षण	1. ज्ञान – प्रशिक्षणार्थी हिन्दी शिक्षण की विभिन्न विधाओं के शिक्षण का प्रत्यास्मरण एवं प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बन्धित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखना।	परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सहायक सामग्री

Scanned with CamScanner

कहानी शिक्षण

निबन्ध शिक्षण

व्याकरण शिक्षण

2. अवबोध – प्रशिक्षणार्थी हिन्दी शिक्षण की विभिन्न विधाओं के शिक्षण उद्देश्यों को जान सकेंगे।

3. ज्ञानोपयोग – प्रशिक्षणार्थी हिन्दी शिक्षण की विभिन्न विधाओं के शिक्षण हेतु विभिन्न विधियों का उपयोग कर सकेंगे।

4. कौशल – प्रशिक्षणार्थी हिन्दी शिक्षण की विभिन्न विधाओं की पाठ योजना तैयार करने में कुशल हो सकेंगे।

5. अभिरुचि – प्रशिक्षणार्थी हिन्दी शिक्षण की विभिन्न विधाओं के शिक्षण को जानने में रुचि ले सकेंगे।

[illegible] के सम्बन्धित व्याख्यान देंगी तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेंगी।

प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट से अपनी अभ्यासपुस्तिका में लिखेंगे।

व्याख्याता प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न पूछकर काम से प्रशिक्षणार्थियों को सीमित रखेंगी।

परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न पूछे करने के लिए पेज।

कक्षा शिक्षण। उपयोगी सहायक सामग्री

Date – 16/10/2026 to 31/10/2026 — Creating An Inclusive Education

Unit – IIA) Difference b/w Inclusive Edu., Integrated and Special Education. Benifits and Barriers to Inclusion. (B) Understanding diversity (C) Understanding disability.	Name of College – Maharshi Dayanand B.Ed. College, Sri Ganganagar.	Class – बी॰ एड॰ II YEAR [III Semester] Session – 2026-27 Lecturer's Name – JYOTI NAGPAL Total Period –

शिक्षण उद्देश्य

1. प्रशिक्षणार्थियों को समावेशी शिक्षा, समन्वित शिक्षा एवं विशिष्ट शिक्षा में अन्तर बताना।
2. प्रशिक्षणार्थियों को समावेशन के अर्थ, लाभ एवं बाधाओं से परिचित करवाना।
3. प्रशिक्षणार्थियों को विविधता एवं असमर्थता की अवधारणा से अवगत करवाना।

अधिगम प्राप्ति

1. प्रशिक्षणार्थी समावेशी शिक्षा, समन्वित शिक्षा एवं विशिष्ट शिक्षा में अन्तर कर सकेंगे।
2. प्रशिक्षणार्थी समावेशन के अर्थ, लाभ एवं बाधाओं से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रशिक्षणार्थी विविधता एवं असमर्थता की अवधारणा से अवगत हो सकेंगे।

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन – अध्यापन परिस्थितियाँ: व्याख्याता क्रिया	अध्ययन – अध्यापन परिस्थितियाँ: प्रशिक्षणार्थी क्रिया	मूल्यांकन: कक्षा कार्य	मूल्यांकन: गृह कार्य	सहायक सामग्री
Difference b/w special Edu., Integrated Edu. and Inclusive Edu.	1. ज्ञान – प्रशिक्षणार्थी समावेशी शिक्षा, विशिष्ट शिक्षा एवं समन्वित शिक्षा की अवधारणा का प्रत्यास्मरण एवं प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बन्धित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखना।	परीक्षा निष्पक्षानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सहायक सामग्री

Scanned with CamScanner

Benifits and Barriers to inclusion

Understanding diversity

Understanding disability.

2. अवबोध – प्रशिक्षणार्थी समावेशी शिक्षा, समन्वित शिक्षा एवं विशिष्ट शिक्षा में अन्तर कर सकेंगे।

3. ज्ञानोपयोग – प्रशिक्षणार्थी अपने शिक्षण में समावेशन की प्रक्रिया का उपयोग कर सकेंगे।

4. कौशल – प्रशिक्षणार्थी विविधता पूर्ण कक्षा में शिक्षण में कुशल हो सकेंगे।

5. अभिरुचि – प्रशिक्षणार्थी असमर्थता के बारे में जानने में रुचि ले सकेंगे।

6. अभिवृत्ति – प्रशिक्षणार्थी समावेशी शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण स्थापित कर सकेंगे।

[illegible] के सम्बन्धित व्याख्यान देगी तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेगी।

प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट से अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।

आत्मता प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न पूछकर कक्षा में प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखेगी।

परीक्षा निम्नानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न पूछकर करने के लिए देना।

कक्षा शिक्षण। उपयोगी सहायक सामग्री

Scanned with CamScanner

UNIT- I + II Pedagogy of Geography DATE:- 16/10/24 to 30/10/24	CLASS B.ED. YEAR Onelyear	NAME OF COLLAGE M.D.B.ED. COLLEGE	NAME OF LECTURER Poonam Sharma कुल कालॉशः-

मुख्य उद्देश्यः-

(1) विद्यार्थियों को भूगोल का अन्य विषय, गणित विज्ञान के साथ सम्बन्ध से अवगत करायेंगे।

(2) विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की अर्थ व विशेषताओं से परिचित करायेंगे

(3) विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के सिद्धान्त से अवगत

अधिगम प्राप्तिः-

(1) विद्यार्थी भूगोल के सहसम्बन्ध को उत्पन्न का उसके महत्व को पहचान लेंगे।

(2) विद्यार्थी भूगोल के पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रभावित हो जायेंगे।

(3) विद्यार्थी पाठ्यक्रम के सिद्धान्त को समझ लेंगे।

इकाई–1 उपइकाई- सहसम्बन्ध का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध पाठ्यक्रम का अर्थ, विशेषताएं, सिद्धान्त

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
सहसम्बन्ध का अन्य विषयों के साथ	ज्ञान: विद्यार्थी सहसम्बन्ध का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध का उद्देश्य व उपयोगिता का जानेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बन्धित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेगें।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखना।	परीक्षानियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
पाठ्यक्रम का अर्थ परिभाषा पाठ्यक्रम का आधार पाठ्यक्रम के प्रकार पाठ्यक्रम के सिद्धान्त	अवबोध: विद्यार्थी पाठ्यक्रम की परिभाषा को व्याख्या कर सकेंगे। ज्ञानात्मक: विद्यार्थी पाठ्यक्रम के आधार का वर्गीकरण कर सकेंगे। कौशल: विद्यार्थी पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकारों की तुलना कर सकेंगे। अभिवृत्ति: विद्यार्थी सम्बन्धित प्रश्न में रुचि ले सकेंगे। विद्यार्थी पाठ्यक्रम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।	व्याख्यात्मक विधियों एवं उदाहरणों के माध्यम से प्रकरण को सम्बन्धित व्याख्यान देगा तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेगी।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट से अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	व्याख्यात प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न पूछकर कक्षा में प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखेगा।	परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सहायक सामग्री।

Scanned with CamScanner

UNIT- I Contemporary India and Education DATE:- 16/10/26 to 30/10/26	CLASS B.ED. YEAR Evening	NAME OF COLLAGE M.D.B.ED. COLLEGE	NAME OF LECTURER Poonam Sharma कुल कालॉश:–

मुख्य उद्देश्य:–

(1) विद्यार्थियों को भारतीय समाज की प्रकृति के विशेषताओं से अवगत कराना।

(2) विद्यार्थियों को भारतीय समाज के विविधता के महत्व से परिचित कराना।

(3) विद्यार्थियों को जाति, धर्म के सामाजिक और [illegible] के प्रति [illegible]

अधिगम प्राप्ति:–

(1) विद्यार्थी भारतीय समाज की प्रकृति एवं इसके गहन को पहचान सकेंगे।

(2) विद्यार्थी भारतीय समाज की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

(3) विद्यार्थी भारतीय समाज के विविधता के बारे में रुचि ले सकेंगे।

इकाई–1 उपइकाई– भारतीय समाज की प्रकृति, विशेषताएं, भारतीय समाज के विविधता, जाति, धर्म

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
भारतीय समाज की प्रकृति	ज्ञान: विद्यार्थी भारतीय समाज की प्रकृति का [illegible] कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बंधित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेगें।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखना।	परीक्षानियमानुसार प्रकरण से सम्बंधित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

उद्देश्यपन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएँ	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
भारतीय समाज की विशेषताएं भारतीय समाज की विविधता जाति, धर्म, सामाजिक विभेदता जातीय विविधता	अवबोध भारतीय समाज की विशेषताओं को व्याख्या कर सकेंगे ज्ञानोपयोग विद्यार्थी भारतीय समाज के विविधता के उदाहरण दे सकेंगे। कौशल विद्यार्थी जाति, धर्म विभेदता को पहचान कर सकेंगे अभिरुचि विद्यार्थी सामाजिक जागृति में रुचि लेंगे।	व्याख्यान विभिन्न क्रियाओं एवं उदाहरणों के माध्यम से प्रकरण से सम्बंधित व्याख्यान देगा तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेगी	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट से अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बंधित विभिन्न प्रश्न पूछकर कक्षा में प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखेगा।	परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से सम्बंधित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सहायक सामग्री।

Scanned with CamScanner

Pedagogy of english

J C II

DATE: 16/10/26 to 31/10/26

मुख्य उद्देश्य:-

1. To make the students know about psychological and socio-cultures dimensions of language learning
2. To make the student familiar with various principles of teaching english
3. To make the students familiar with different approaches of teaching english

अधिगम प्राप्ति:-

1. The students will be able to learn about psychological and socio-cultural dimension of language
2. The students will be able to learn various principles of teaching english
3. The students will be able to learn various approaches of teaching english

इकाई–1	उपइकाई	शिक्षण उदेश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्यापन परिस्थितियाँ		मूल्यांकन		
अध्यापन बिन्दु			शिक्षक क्रियाए	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
1. Psychological and social cultural dimensions of language learning		Knowledge The student will be able recall and recognize various term and principle Understanding The students will be able	The subject teacher explain the [illegible]	The students will listen to the teacher	The teacher keep the student active	Important questions as per the university examination	useful and suitable aid

Scanned with CamScanner

2.	Structural-Situational Approach	to explain the principles and different approaches and its comparison **Application** The students will be able to apply learnt things in their practical life effectively and efficiently **Attitude and Aptitude** The students will be able to develop a positive attitude and try to discover more and more about the subject	similar methods and techniques using related teaching aid	and note down the main points the teacher likes.	while asking for asking various casual questions regarding the topic	each to be given to the students to be answered and learn
3.	Audio-lingual method					
4.	Eclectic Approach					
5.	Grammar Translation method					
6	Bilingual method					
7	Task Based Teaching & Activity based teaching					

Scanned with CamScanner

Computer Education and Digital Technology I II

Dr Y.P. Goswami

DATE: 16/10/96 to 31/10/26

मुख्य उद्देश्य:

1. To make the students understand the basic concept, components and functions of computer and digital devices
2. To develop functional digital competence required to leading field.
3. To make the student familiar with hardware and software of computer

अधिगम प्राप्ति:-

1. The students will be able to learn about the modern development of computer.
2. The students will be able to learn about various hardware and software of computer
3. The students will be able to learn installation and functioning of hardware and software

इकाई-1 उपइकाई	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्यापन परिस्थितियाँ		कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री	मूल्यांकन
अध्यापन बिन्दु		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं				
1. History of computer	Knowledge The students will be able to recall and recognize various concept and terms used the computer	The subject teacher explain	The students will listen to the teacher	The teacher keep the student active	Important questions as per the university examination	useful and suitable aid	
2 Generation of computers	understanding The students will be able to explain	The points in					

Scanned with CamScanner

3.	Different hardware and software of computers	At least thing about the given topic **Application** The student will be able to apply learning in their practical life				
4.	Various types of storages	**Attitude and aptitude** The students will be able to develop a positive attitude and discover more and more about the subject matter				
5	Block Diagram of computer					

Scanned with CamScanner

Pedagogy of financial Accounting (II)

DATE: 10/10/22 to 31/10/22 II

Dr Y.K. Lodhi

मुख्य उद्देश्य:

1. TO make the student familiar with the concept of company and its financial flow.
2. TO make the students familiar with management and cost accounting.
3. To make the students introduced to the steps to prepare final Accounts.

अधिगम प्राप्ति:

1. The students will be able to know introduced to company and its financial flow
2. The students will be able to learn features of management and cost accountancy.
3. The students will be able to learn various steps of preparing financial Accounting.

इकाई–I	उपइकाई	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
अध्यापन बिन्दु			शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
1. A brief introduction of company and its financial flow	Knowledge The Students will be able to recall and recognize values new concepts and term used in the topic Understanding The Student will		The subject teacher explain the [illegible]	The students will listen to the teacher	The teacher keep the student active	Important questions as per the university pre examination	useful and suitable aid

Scanned with CamScanner

2	A brief introduction to management and cost accounting	will be able to explain various concepts and accounting process efficiently. 3. Application The Students will be able to put its learnt thing into practice skill fully 4. Attitude and Aptitude The student will be able to develop a positive attitude and try to explore more and more about the topic covered.	suitable methods and techniques using related teaching aid	note down the main points the teacher uses.	multiple for asking casual questions regarding the topic	to give to Student to answer and learn	more like class board class notes and online material etc.
3.	A brief introduction of the steps to prepare its final accounts.						

Scanned with CamScanner

Dr Y. L. Chaudhary

Critical Understanding of ICT II

DATE: 16/10/20 to 31/10/20 I

मुख्य उद्देश्य:

1. To make the Students familiar with the concept of word processing Spreadsheet etc.
2. To make the Students acquainted with various Audio-Video resources used in education
3. To make the Student learn about the use of multimedia in education and the integrated lesson planning

अधिगम प्राप्ति:-

1. The Students will be able to learn about of various basic applications of word processing, spreadsheet and powerpoint
2. The Student will be able to learn the use of multimedia in education
3. The Students will be able to know the process of lesson planning with the help of ICT.

इकाई-1

उपइकाई	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्यापन परिस्थितियाँ: शिक्षक क्रियाएं	अध्यापन परिस्थितियाँ: छात्र क्रियाऐं	मूल्यांकन: कक्षा कार्य	मूल्यांकन: गृह कार्य	सहायक सामग्री
अध्यापन बिन्दु						
1. Basic word processing & spreadsheet application	Knowledge The Student will be able to recall and recognize the various concept and terms used in ICT in education	The subject teacher explain the terms in	The students will listen to the teacher	The teacher keep the student active	Important questions as per the University examination	useful and suitable aid
2. Use of multimedia in education						

Scanned with CamScanner

3. Principles of effective multimedia learning material	Understanding The student will be able to explain orally and in written various basic application and process of lesson management Application The student will be able to apply learnt things in their practical life Attitude and Aptitude The student will be able to develop positive attitude towards the subject and try to explore more and more on it.	and the and technique using related teaching aid	and note down the main points the teacher uses.	Multimedia by asking various oral questions regarding the topic	will be given to the student to be answered and learn
4. Process of ICT integrated lesson planning					

Scanned with CamScanner

30-9-2026 to 10/10/26

UNIT- 1 sub 1 and 2 Social Studies DATE:- 12-10-2026 to 30-10-2026	CLASS B.ED. II YEAR	NAME OF COLLAGE M.D.B.ED. COLLEGE	NAME OF LECTURER Dr. Sneha कुल कालॉश:-
मुख्य उद्देश्य:- विद्यार्थियों को सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य और लक्ष्यों से अवगत करवाना - विद्यार्थियों को सामाजिक विज्ञान का अन्य विषयों के साथ सहसम्बन्ध से परिचित करवाना - लोकतांत्रिक नागरिकता, राष्ट्रीय एकीकरण में सामाजिक विज्ञान की भूमिका से परिचित करवाना		अधिगम प्राप्ति:- विद्यार्थी उद्देश्य और लक्ष्यों के महत्व का प्रत्यस्मरण कर सकेंगे। - विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध को जान सकेंगे। - विद्यार्थी राष्ट्रीय एकीकरण में सामाजिक विज्ञान की भूमिका को जान सकेंगे। - विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान में पाठ्यक्रम के अर्थ का प्रत्यस्मरण कर सकेंगे।	

इकाई–1 उपइकाई–

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
Aims of objectives of teaching Social Science	विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य और लक्ष्य के अर्थ का प्रत्यस्मरण व प्रत्यभिज्ञान कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बन्धित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेगें।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियो को सक्रिय रखना।	परीक्षानियमानुसार प्रकरण से सम्बधित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
Role of Social science in development Correlation among different Social Science disciplines Multidisciplinary and Interdisciplinary Nature of Social Science Social science curriculum	प्रस्तावना विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान के विकास और समाज के व्यवहार में इसके योगदान की व्याख्या कर सकेंगे सामान्योपयोगी विद्यार्थी इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र की आपसी संबंधों को स्थापित कर सकेंगे। कौशल विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या की प्रकृति, संरचना और आवश्यकता को समझ सकेंगे।	विभिन्न क्रियाओं एवं उदाहरणों के माध्यम से प्रकरण को समझाना। सम्बन्धित चारवार्ता देना तथा मुख्य बिन्दुओं पर लिखवाना।	प्रश्नोत्तरी के माध्यम से पूर्व ज्ञान की जांच करना तथा उपयुक्त सूचनाएं एवं उदाहरण देकर प्रकरण को स्पष्ट करना।	कक्षा कार्य के प्रश्नों को समझना। प्रकरण से संबंधित विभिन्न प्रश्नों को पूछकर परिशोधित करना।	गृह कार्य के लिए देना। प्रकरण से संबंधित विभिन्न प्रश्नों को पूछकर परीक्षा	पाठ्यपुस्तक/अभ्यास पुस्तिका

Scanned with CamScanner

UNIT- 2 and 3 (learning and teaching) DATE:- 12-10-2026 to 30/10/2026	CLASS B.ED. I YEAR	NAME OF COLLAGE M.D.B.ED. COLLEGE	NAME OF LECTURER Dr. Sneha Chhabra कुल कालॉशः—

मुख्य उद्देश्यः— विद्यार्थियों को शिक्षण और अधिगम के सम्बन्ध के अर्थ से अवगत करवाना।
- विद्यार्थियों को शिक्षण एक व्यवसाय के रूप में परिचित करवाना
- विद्यार्थियों को शिक्षण के नैतिक कर्तव्यों से अवगत करवाना

अधिगम प्राप्तिः— विद्यार्थी शिक्षण और अधिगम के सम्बन्ध के अर्थ को प्रारूप को प्रस्तुत कर सकेंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण एक व्यवसाय के रूप में किस प्रकार से कार्य करता है जान सकेंगे।
- विद्यार्थी नैतिक कर्तव्य के स्वरूप को जान सकेंगे।

इकाई–1 उपइकाई–

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
Relationship b/w learning and teaching	ज्ञान विद्यार्थी शिक्षण और अधिगम में सम्बन्ध के अर्थ को प्रस्तुत कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बधित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेगें।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियो को सक्रिय रखना।	परीक्षानियमानुसार प्रकरण से सम्बधित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन के	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
levels of teaching effective and Reflective Teaching Professional ethics and accountability of teacher	अपवाद विद्यार्थी शिक्षण की प्रक्रिया स्तर की जान सकेंगे विद्यार्थी शिक्षण को व्यवसाय के रूप में कार्य करने की व्याख्या कर सकेंगे। व्यवहार विद्यार्थी पुस्तकों के अध्ययन से प्राप्त ज्ञान और अनुभव का प्रयोग अपने व्यवहारिक जीवन में कर सकेंगे। रुचि विद्यार्थी कक्षा में विषय में सक्रिय प्रश्नों की पूर्ति में सक्रिय रुचि लेंगे।	शिक्षण विधियों एवं उदाहरणों के माध्यम से प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न क्रियाओं का व्याख्यान देगा तथा सुरक्षित बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेगी।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा सुरक्षित बिन्दुओं को श्यामपट्ट से अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगी।	व्याख्यान द्वारा प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न पुस्तकों के अध्ययन हेतु प्रेरित करना। प्रश्नोत्तर के माध्यम से प्रकरण को स्पष्ट करना।	परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	ब्लैकबोर्ड, उपयोगी सहायक सामग्री।

इकाई I / II पर्यावरण संरक्षण,

उपइकाई - जनसंख्या / पर्यावरण, वृद्धि, प्रभाव शहरीकरण व उपभोग के बदलते स्वरूप

मुद्रण दयानन्द पी० ई० डी० कॉलेज मुजफ्फरनगर

सत्र → 2026

16/10/26 से 31/10/26

कक्षा → B.Ed 2nd III sem.

व्याख्याता → डॉ. अनुराधा चौधरी

कुल कालांश →

मुख्य उद्देश्य

1) विद्यार्थियों को संरक्षण (पर्यावरण) से परिचित करवाना।

2) विद्यार्थियों को बढ़ती जनसंख्या और उसके पर्यावरणीय प्रभाव से अवगत कराना।

3) शहरीकरण की प्रक्रिया और इसके बदलते स्वरूप के सामाजिक व पारि० परिणामों को समझाना।

अधिगम प्राप्ति

1) विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण के अर्थ को जान सकेंगे।

2) विद्यार्थी जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण की परिभाषा व प्रमुख अवधारणाओं को समझ सकेंगे।

3) विद्यार्थी पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को जान सकेंगे।

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं व्यवहारगत परिवर्तन	शिक्षण सहायक क्रियाएँ	शिक्षण विधियाँ	कौशल	मूल्य	सामग्री
जनसंख्या, पर्यावरण की वृद्धि	ज्ञान:- विद्यार्थी जनसंख्या व पर्यावरण की वृद्धि का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से संबंधित पूर्व ज्ञान का प्रश्नों द्वारा स्मरण करते हुए व्याख्यान देगा।	परिचर्चा द्वारा ध्यान केन्द्रित करना।	प्रकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर परिचर्चा के माध्यम से प्रश्नोत्तरी करना।	पर्यावरण प्रकरण से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने में सक्रिय सहभागिता करना।	उपयोगी सामग्री का प्रयोग करना।

Scanned with CamScanner

जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव शहरीकरण व उपभोग के बदलते स्वरूप	अवबोध:- विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन व शहरीकरण के बदलते स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे। ज्ञानोपयोग:- विद्यार्थी जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरण पर उसके प्रभाव का मूल्यांकन कर सकेंगे। कौशल:- विद्यार्थी शहरीकरण और पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित आंकड़े एकत्र करने व चार्ट बनाने का कौशल विकसित कर सकेंगे। अभिरुचि:- विद्यार्थी पर्यावरण से जुड़ी विभिन्न समावेशन गतिविधियों को करने में रुचि ले सकेंगे।	व्याख्यात्मक विधि	मानचित्र पर विभिन्न उद्योगों की स्थिति दर्शाना।	मुख्य उद्योगों के मानचित्र पर स्थिति दर्शाना।	मानचित्र पर उद्योगों की स्थिति दर्शाना।	मुख्य उद्योगों के मानचित्र पर स्थिति दर्शाना।	मानचित्र पर उद्योगों की स्थिति दर्शाना।
		व्याख्यात्मक विधि	प्रश्नोत्तरी विधि	व्याख्यात्मक विधि	प्रश्नोत्तरी विधि	व्याख्यात्मक विधि
		मानचित्र पर उद्योगों की स्थिति दर्शाना।	मुख्य उद्योगों के मानचित्र पर स्थिति दर्शाना।	मानचित्र पर उद्योगों की स्थिति दर्शाना।	मुख्य उद्योगों के मानचित्र पर स्थिति दर्शाना।	मानचित्र पर उद्योगों की स्थिति दर्शाना।
		प्रश्नोत्तरी विधि	व्याख्यात्मक विधि	प्रश्नोत्तरी विधि	व्याख्यात्मक विधि	प्रश्नोत्तरी विधि
		मुख्य उद्योगों के मानचित्र पर स्थिति दर्शाना।	मानचित्र पर उद्योगों की स्थिति दर्शाना।	मुख्य उद्योगों के मानचित्र पर स्थिति दर्शाना।	मानचित्र पर उद्योगों की स्थिति दर्शाना।	मुख्य उद्योगों के मानचित्र पर

इकाई - II अर्थशास्त्र के विषय वस्तु का चयन, संगठन, आलोचनात्मक मूल्यांकन, पाठ्यसूत्र का संबंध, पाठ्यपुस्तक

उपइकाई

महाविद्यालय दयानन्द वा० ए० ड० कॉलेज हनी गंगानगर

सत्र → 2026

(16/10/26 to 31/10/26)

कक्षा → B.Ed 2nd III sem.

व्याख्याता → डॉ. अनुराधा चौधरी

कुल कालांश →

मुख्य उद्देश्य

1.) विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र के विषय-वस्तु के संगठन, चयन से अवगत करवाना।

2.) विद्यार्थियों को आलोचनात्मक मूल्यांकन से परिचित करवाना।

3.) विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र के पाठ्यपुस्तक के अर्थ से अवगत करवाना।

अधिगम प्राप्ति

1.) विद्यार्थी अर्थशास्त्र के विषय-वस्तु के संगठन चयन कि प्रक्रिया को जान सकेंगे।

2.) विद्यार्थी आलोचनात्मक मूल्यांकन से परिचित हो सकेंगे।

3.) विद्यार्थी अर्थशास्त्र के पाठ्यपुस्तक के महत्व को जान सकेंगे।

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं व्यवहारगत परिवर्तन	शिक्षण सहित परिस्थितियाँ व्याख्याता क्रिया	शिक्षार्थी क्रिया	मूल्यांकन	समय
अर्थशास्त्र के विषय-वस्तु का चयन, संगठन	ज्ञान:- विद्यार्थी अर्थशास्त्र के विषय-वस्तु के चयन का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से संबंधित पूर्व ज्ञान का प्रश्नों के माध्यम से प्रत्यास्मरण करते हुए व्याख्यान देना।	प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रकरण से संबंधित प्रश्नों के माध्यम से पूर्व ज्ञान का मूल्यांकन करना।	प्रकरण से संबंधित प्रश्नों के माध्यम से पूर्व ज्ञान का मूल्यांकन करना।	व्याख्यान विधि।

Scanned with CamScanner

आलोचनात्मक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम का संबंध

पाठ्यपुस्तक की अवधारणा, प्रकृति, उद्देश्य

अवबोध :- विद्यार्थी अर्थशास्त्र के आलोचनात्मक मूल्यांकन को जान सकेंगे।

ज्ञानोपयोग :- विद्यार्थी अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रम का संबंध व्यवहारिक जीवन से कर सकेंगे।

कौशल :- विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक की प्रकृति, उद्देश्य को जानने में अपना कौशल प्राप्त कर सकेंगे।

अभिरुचि :- विद्यार्थी ~~अपनी~~ सकारात्मक अभिरुचि विकसित कर सकेंगे।

व्याख्यात्मक क्रिया	पृच्छात्मक क्रिया	मूल्यांकन कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
व्याख्याता विभिन्न क्रियाओं एवं उदाहरणों के माध्यम से पाठ्यवस्तु को स्पष्ट करेंगी। व्याख्याता पाठ्यपुस्तक के संबंधित अध्यायों पर चर्चा करेंगी। व्याख्याता पाठ्यपुस्तक के विभिन्न प्रकरणों का विश्लेषण करेंगी।	पृच्छा के माध्यम से मुख्य बिन्दुओं पर चिन्तन करेंगी। पृच्छा के माध्यम से पाठ्यवस्तु की उपयोगिता पर चिन्तन करेंगी।	विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक के विभिन्न प्रकरणों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देंगे। विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक के विभिन्न प्रकरणों का विश्लेषण करेंगे।	विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक के विभिन्न प्रकरणों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देंगे।	पाठ्यपुस्तक, चार्ट, मॉडल, ब्लैकबोर्ड, चॉक, डस्टर, कंप्यूटर, इंटरनेट, प्रोजेक्टर, लैपटॉप, पेन, पेंसिल, कॉपी, किताब, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक, शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षण अधिगम प्रारूप।

Scanned with CamScanner

इकाई - II छुट्टि के सिद्धान्त। मापन, अधिगम में छुट्टि की भूमिका, शैक्षिक निहितार्थ

महर्षि दयानन्द वि० एवं शि० कॉलेज, श्री गंगानगर

सत्र → 2026
16/10/26 से 31/10/26

कक्षा → B.Ed Ist Sem.

व्याख्याता → डॉ. अनुराधा चौधरी
कुल कालांश →

मुख्य उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को छुट्टि के सिद्धान्तों से अवगत करवाना।
2. विद्यार्थियों को छुट्टि के मापन व अधिगम में छुट्टि की भूमिका से अवगत करवाना।
3. विद्यार्थियों को छुट्टि के शैक्षिक निहितार्थ से अवगत करवाना।

अधिगम प्राप्ति

1. विद्यार्थी छुट्टि के मापन व अधिगम में छुट्टि की भूमिका से अवगत हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी छुट्टि के व्यक्तिगत भिन्नताओं के शैक्षिक निहितार्थ को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी छुट्टि के सिद्धान्तों को जान सकेंगे।

शैक्षणिक बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं व्यवहारगत परिवर्तन	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ व्याख्यात्मक क्रिया शिक्षणार्थी क्रिया	मूल्यांकन कौशल + मूल्य कार्य	सामग्री
छुट्टि के सिद्धांत	ज्ञान:- विद्यार्थी छुट्टि के सिद्धान्तों से प्रत्यास्मरण कर सकेंगे। अवबोध:- विद्यार्थी छुट्टि के सिद्धान्तों की प्रक्रिया को जान सकेंगे।	व्याख्यात्मक प्रकरण में संबंधित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देना।	प्रश्नोत्तरी द्वारा ध्यान केन्द्रित करना।	प्रकरण से संबंधित विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से पूर्व ज्ञान की सक्रियता को परखना।	परीक्षोपयोगी प्रकरण से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का समाधान करना।	श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर

Scanned with CamScanner

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य	परिचयात्मक क्रिया	प्रस्तुतीकरण क्रिया	मूल्यांकन क्रिया	गृह कार्य	सहायक सामग्री
बुद्धि का मापन सीखने में बुद्धि की भूमिका बुद्धि में व्यक्तिगत भिन्नताओं के शैक्षिक निहितार्थ	3. ज्ञानात्मक :- विद्यार्थी बुद्धि के मापन का व उपयोग जीवन में कर सकेंगे। कौशल :- विद्यार्थी बुद्धि के सीखने कि भूमिका को जानकर अपने अनुभवों में कुशल हो सकेंगे। अभिरुचि :- विद्यार्थी बुद्धि के भिन्न शैक्षिक निहितार्थ के रुचि ले सकेंगे। अभिवृत्ति :- विद्यार्थी उपरोक्त प्रकरण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण स्थापित कर सकेंगे।	व्याख्यात्मा विभिन्न क्रियाओं एवं उदाहरणों के माध्यम से संबन्धित व्याख्यों को समझाएंगी एवं उनसे संबंधित प्रश्न पूछेंगी।	पूर्वज्ञान की जांच हेतु कुछ प्रश्न पूछेंगी तथा मुख्य बिन्दुओं को प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा समझाएंगी।	व्याख्यात्मा प्रकरण से संबन्धित प्रश्नों के माध्यम से उनके ज्ञान का मूल्यांकन करेंगी।	पूर्व ज्ञान को पुनः दोहराने हेतु कुछ प्रश्न पूछना।	पुस्तक / पाठ्यपुस्तक चार्ट / मॉडल श्यामपट्ट / चॉक डस्टर पेन / पेंसिल कॉपी

Scanned with CamScanner

समकालीन भारत एवं शिक्षा

Date- 16/10/26 to 31/10/26

UNIT- 1st (भारतीय समाज की प्रकृति विशेषताएं, विविधता जातिवर्ग धर्म DATE: भाषा, क्षेत्र, लिंग जनजाति में सदर्भ में लाइ और सांस्कृतिक विविधता सा० लक्षण)	CLASS B.ED. YEAR 1st Semester	NAME OF JLLAGE M.D.B.ED. COLLEGE 2026-2027	NAME OF LECTURER Dr. Punam कुल कालॉश:-

मुख्य उद्देश्य:- गतिशीलता एवं शिक्षा

(1) प्रशिक्षणार्थियों को भारतीय समाज की प्रकृति व विशेषताओं से परिचित करवाना।
(2) प्रशिक्षणार्थियों को सामाजिक गतिशीलता से अवगत करवाना।
(3) प्रशिक्षणार्थियों को विविधता की धारणा को समझने की योग्यता विकसित करना।

अधिगम प्राप्ति:-
प्रशिक्षणार्थी भारतीय समाज की प्रकृति व विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
प्रशिक्षणार्थी सामाजिक गतिशीलता से अवगत हो सकेंगे।
प्रशिक्षणार्थियों में विविधता की धारणा को समझने की योग्यता विकसित हो सकेगी।

इकाई-1 उपइकाई-

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन-अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
भारतीय समाज की प्रकृति विशेषताएं	ज्ञान → प्रशिक्षणार्थी भारतीय समाज की प्रकृति एवं विशेषताओं के बारे में प्रत्या-स्मरण कर सकेंगे। प्रशिक्षणार्थी सा० गतिशीलता से	प्रकरण से सम्बधित साधायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेगें।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियो को सक्रिय रखना।	परीक्षानियमों नुसार प्रकरण से सम्बधित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
जाति, धर्म, लिंग, भाषा व सांस्कृतिक विविधता	समबन्धित तथ्यों के बारे में जान सकेंगे। बोध – प्रशिक्षणार्थी सांस्कृतिक गतिशीलता व विविधता से समबन्धित तथ्यों की व्याख्या कर सकेंगे। ज्ञान प्रयोग – प्रशिक्षणार्थी भारतीय संस्कृति की विशेषताओं से समबन्धित ज्ञान का प्रयोग अपने व्यवहारिक जीवन में कर सकेंगे। कौशल – प्रशिक्षणार्थी चार्ट व मॉडल बना सकेंगे। अभिरुचि – प्रशिक्षणार्थी भारतीय समाज से समबन्धित तथ्यों को जानने में रुचि ले सकेंगे।	व्याख्यान विभिन्न क्रियाओं एवं उदाहरणों के माध्यम से प्रकरण से समबन्धित मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेगी।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट से अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	व्याख्यान द्वारा प्रकरण से समबन्धित विभिन्न प्रश्न पूछकर कक्षा में प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखेगा।	परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से समबन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	पाठ्यपुस्तक, उपयुक्त शिक्षण

अभिवृत्ति – प्रशिक्षणार्थियों में सांस्कृतिक गतिशीलता से समबन्धित तथ्यों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण

Scanned with CamScanner

Pedagogy of History Date 16/10/26 to 22/10/26

UNIT- Unit 2nd ऐतिहासिक सामग्री का चयन और संगठन, इतिहास पाठ्यपुस्तकों का अर्थ, भूमिका महत्व पाठ्यपुस्तक की विशेषताएं DATE:-	CLASS B.ED. YEAR 2nd Semester	NAME OF COLLAGE M.D.B.ED. COLLEGE	NAME OF LECTURER Dr. Punam कुल कालॉश:-

मुख्य उद्देश्य:-

① प्रशिक्षणार्थियों को भारती ऐतिहासिक सामग्री का चयन से परिचित करवाना।

② प्रशिक्षणार्थियों का इतिहास पाठ्यपुस्तक के महत्व से अवगत करवाना।

③ प्रशिक्षणार्थियों को इतिहास पाठ्यपुस्तक की विशेषताओं के प्रति रुचि जागृत करना।

अधिगम प्राप्ति:-

① प्रशिक्षणार्थी ऐतिहासिक सामग्री का चयन करने हेतु परिचित हो सकेंगे।

② प्रशिक्षणार्थी इतिहास पाठ्यपुस्तक के महत्व से अवगत हो सकेंगे।

③ प्रशिक्षणार्थियों में इतिहास पाठ्यपुस्तक की विशेषताओं के प्रति रुचि जागृत होगी।

इकाई-1 उपइकाई-

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन-अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाऐ	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
ऐतिहासिक सामग्री का चयन	ज्ञान→ प्रशिक्षणार्थी ऐतिहासिक सामग्री का चयन करने हेतु परिचित हो सकेंगे, प्रशिक्षणार्थी इतिहास पाठ्यपुस्तकों के महत्व से अवगत हो सकेंगे।	व्याख्याता प्रकरण से सम्बंधित सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देगा।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	प्रकरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय रखना।	परीक्षानियमानुसार प्रकरण से सम्बंधित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

अध्यापन बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य व्यवहारगत परिवर्तन	अध्ययन–अध्यापन परिस्थितियां		मूल्यांकन		
		शिक्षक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	कक्षा कार्य	गृह कार्य	सहायक सामग्री
संगठन इतिहास पाठ्य– पुस्तको का अर्थ महत्व पाठ्य– पुस्तको की विशेषताएं	अवबोध– प्रशिक्षणार्थी ऐतिहासिक सामग्री के चयन की आवश्यकता और उसके संगठन को स्पष्ट कर सकेंगे। ज्ञानात्मक– प्रशिक्षणार्थी प्राप्त ज्ञान का उपयोग कक्षा शिक्षण के दौरान उचित ऐतिहासिक सामग्री और पाठ्यपुस्तक के चयन में कर सकेंगे। कौशल– प्रशिक्षणार्थी इतिहास विषय के लिए P.P.T. बना सकेंगे। अभिरुचि– प्रशिक्षणार्थी इतिहास की नई पाठ्य–पुस्तको और सन्दर्भ ग्रन्थो की पढने में रुचि लेंगे।	व्याख्यान विधि द्वारा उदाहरणों के माध्यम से प्रकरण को सम्बन्धित व्याख्यान देगा तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेगी।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट से अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	व्याख्यान द्वारा प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न बिंदुओं को सक्रिय रखेगा। कक्षा में प्रशिक्षणार्थियों से प्रश्न पूछकर	परीक्षा नियमानुसार प्रकरण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न याद करने के लिए देना।	कक्षा शिक्षण उपयोगी सहायक सामग्री।

अभिवृत्ति – प्रशिक्षणार्थियों में इतिहास विषय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो।

Scanned with CamScanner

इकाई UNIT-I Environment
अइकाई UNIT-II Education
16-10-20 to 31-10-20

महर्षि दयानन्द बी० एड० कॉलेज श्रीगंगानगर
सत्र → 2020-27

कक्षा → B. Ed. III Semester

व्याख्याता → DINESH BUDANIA
कुल कालांश →

मुख्य उद्देश्य

(1) प्रशिक्षणार्थियों को जनसंख्या वृद्धि के अर्थ से परिचित करवाना.

(2) प्रशिक्षणार्थियों को प्रदूषण व उसके प्रकारों से परिचित करवाना.

अधिगम प्राप्ति

(1) प्रशिक्षणार्थी जनसंख्या वृद्धि के अर्थ को समझ कर उसका जीवन में उपयोग कर सकेगा.

(2) प्रशिक्षणार्थी पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक हो सकेंगे.

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं व्यवहार परिवर्तन	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ: अध्यापक क्रिया, शिक्षणार्थी क्रिया	मूल्यांकन: कठिन कार्य	मूल्यांकन: सरल कार्य	मूल्यांकन: सामान्य
जनसंख्या विस्फोट प्रदूषण व प्रकार	(1) ज्ञान:→ प्रशिक्षणार्थी जनसंख्या विस्फोट के अर्थ को प्रत्यास्मरण व प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे.	व्याख्याता प्रकरण से संबंधित पूर्व ज्ञान का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देना।	प्रशिक्षणार्थी ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	प्रकरण से संबंधित विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों की समीक्षा करना।	परीक्षोपयोगी प्रकरण से संबंधित प्रश्नों का निर्माण करने हेतु प्रेरित करना।

Scanned with CamScanner

प्राकृतिक संसाधन संरक्षण

अपशिष्ट प्रबंधन

(2) अतलोच्य → प्रशिक्षणार्थी पर्यावरण प्रदूषण की तुलना कर सकेंगे

(3) सामोपयोगी → प्रशिक्षणार्थी प्रदूषण के दुष्परिणाम को समझ कर उसको जीवन मे उपयोग कर सकेंगे

(5) सोशल → प्रशिक्षणार्थियो को पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक होकर जीवन मे उपयोग कर सकेंगे

व्याख्यान विधि के माध्यम से उदाहरणों एवं चित्रों के द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणामों का ज्ञान कराया जायेगा।

प्रशिक्षणार्थी द्वारा पूर्व ज्ञान को सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को समझेंगे तथा अपनी अनुपूरिका पर लिखेंगे।

प्रशिक्षणार्थी द्वारा प्रदूषण के दुष्परिणामों का मनन करते हुए लिखेंगे।

मूल्यांकन

कक्षा कार्य

व्याख्यान विधि के माध्यम से प्रश्नों के उत्तर देंगे और अपनी अनुपूरिका में लिखेंगे।

गृह कार्य

पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणामों पर एक लेख लिखेंगे।

सहायक सामग्री

पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणाम

पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणाम

पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणाम

Scanned with CamScanner

इकाई Inclusive Education	महर्षि दयानन्द पी० ए०जी० कॉलेज श्री गंगानगर	कक्षा → B.Ed. III Semester	व्याख्याता → DINESH BUDHANIA
पाइकाई UNIT – I, II 16-1-26 से 31-1-26	सत्र → 2026-27		कुल कालांश →

मुख्य उद्देश्य

(1) प्रशिक्षणार्थियों को समावेशी शिक्षा में आने वाली बाधाओं से परिचित करवाना।

(2) प्रशिक्षणार्थियों को विविधता के अर्थ से परिचित करवाना।

अधिगम प्राप्ति

(1) प्रशिक्षणार्थी समावेशी शिक्षा के महत्व को समझ सकेंगे.

(2) प्रशिक्षणार्थी समावेशी शिक्षा में विविधता के महत्व से परिचित हो सकेंगे.

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं व्यवहार परिवर्तन	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ व्याख्याता क्रिया	शिक्षणार्थी क्रिया	मूल्यांकन कार्य	मूल्यांकन	अन्य
समावेशी शिक्षा में बाधाएँ	(1) ज्ञान → प्रशिक्षणार्थी समावेशी शिक्षा की बाधाओं का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे.	समावेशी शिक्षा का परिचय प्रस्तुत करते हुए व्याख्याता सहायक शैक्षणिक सामग्री का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देंगे।	प्रशिक्षणार्थी ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	प्रकरण से संबन्धित वर्तमान में प्रचलित मॉडल पर चर्चा करेंगे।	परीक्षोपयोगी प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।	कक्षा शिक्षण के उपयोगी बिन्दु नोट करेंगे।

Scanned with CamScanner

शिक्षण बिन्दु	अपेक्षित व्यवहार/गत	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ		मूल्यांकन		सहायक सामग्री
		व्याख्यात्मक क्रिया	पृच्छात्मक क्रिया	कक्षा कार्य	गृह कार्य	
विविधता का अर्थ परिभाषा योग्यता व अयोग्यता अक्षमता का अर्थ	(2) अवबोध → प्रशिक्षणार्थी समावेशी व समावेशन के अर्थ की तुलना कर सकेंगे. (3) सामोपयोग → छात्र अक्षमता के अर्थ का उपयोग जीवन में कर सकेंगे (4) अभिवृत्ति → प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा समावेशी शिक्षा के अर्थ को समझकर दृष्टिकोण में परिवर्तन कर सकेंगे.	व्याख्यात्मक विधि के माध्यम से उदाहरणों एवं क्रियाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार की विविधता एवं अक्षमता को स्पष्ट किया जायेगा।	प्रशिक्षणार्थियों से सुनने तथा मुख्य बिन्दुओं को ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात् उनसे प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना।	व्याख्यात्मक प्रश्नों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों की समझ को परखना और उनके उत्तरों को सम्पुष्ट करना।		पी.पी.टी. प्रोजेक्टर चार्ट पेपर मार्कर पेन पुस्तक पेन्सिल

इकाई Relaxes of Chemistry

पइकाई UNIT – III, IV
16-10-26 + 31-10-26

महाप दयानन्द वा० ए३० कॉलेज श्री गंगानगर

सत्र → 2026–27

कक्षा → B. Ed.
III Semester

व्याख्याता → Dinesh Bugania

कुल कालांश →

मुख्य उद्देश्य

(1) प्रशिक्षणार्थियों को रसायन विज्ञान शिक्षक के गुणों व उत्तरदायित्व से परिचित करवाना।

(2) प्रशिक्षणार्थियों को रसायन विज्ञान शिक्षण में प्रयुक्त शिक्षण विधियों से परिचित करवाना।

अधिगम प्राप्ति

(1) प्रशिक्षणार्थी रसायन विज्ञान शिक्षक के गुणों को समझ कर उनका जीवन में उपयोग कर सकेंगे

(2) प्रशिक्षणार्थी शिक्षण विधियों के महत्व को समझ सकेंगे.

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण उद्देश्य एवं व्यवहार परिवर्तन	शिक्षण युक्तियाँ व्याख्यान क्रिया	शिक्षण सहायक सामग्री	मूल्यांकन प्रश्न	ज्ञानवर्धी
रसायन विज्ञान शिक्षक के गुण व उत्तरदायित्व	(1) ज्ञान → प्रशिक्षणार्थी रसायन विज्ञान शिक्षक के गुणों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे.	व्याख्यात्मक प्रकरण में पूर्वज्ञान का प्रयोग करते हुए व्याख्यान देना।	प्रशिक्षणार्थी पूर्वज्ञान पुस्तकें	प्रकरण से संबन्धित विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों की क्रियाएं देखना।	परिस्थिति अनुसार प्रकरण से संबन्धित प्रश्न पूछना। प्रश्नों का उत्तर करने की छूट देना।

उपयोगी सामग्री।

Scanned with CamScanner

शिक्षण बिन्दु	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन	शिक्षण अधिगम परिस्थितियाँ		मूल्यांकन		सहायक सामग्री
		व्याख्यात्मक क्रिया	पृच्छात्मक क्रिया	कक्षा कार्य	गृह कार्य	
व्याख्यान विधि प्रदर्शन विधि प्रयोगशाला विधि	अवलोकन → प्रशिक्षणार्थी रसायन विज्ञान शिक्षक के उत्तरदायित्वों की तुलना कर सकेंगे (3) सामान्य प्रयोग → दाब सम्बन्धित शिक्षण विधियों का उपयोग अपने अनुसार में कर सकेंगे (4) अभिरुचि → प्रशिक्षणार्थी रसायन विज्ञान शिक्षण की प्रयोगशाला विधि में रुचि ले सकेंगे	व्याख्याता विभिन्न क्रियाओं एवं उदाहरणों के माध्यम से प्रकरण से संबन्धित व्यवहार दूसरों तक पहुँचा सुनेंगे के बिन्दुओं का व्याख्यान कर लिखेंगे।	प्रशिक्षणार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को व्याख्यान से अपनी भाषा में संक्षिप्तीकरण पर चिन्तन मनन करते हुए लिखेंगे।	व्याख्यात्मक प्रश्नों के माध्यम से प्रकरण से संबन्धित प्रश्नों के उनके उत्तर प्रशिक्षणार्थियों की कॉपी में देखेंगे।	दिये गये प्रश्नों को पुस्तक की सहायता से पूर्ण करना।	प्रयोगशाला उपकरण पुस्तक

Scanned with CamScanner